THE UNIVERSITY OF BURDWAN

SYLLABUS OF TWO YEAR POSTGRADUATE PROGRAMME

IN

HINDI

Under

Curriculum and Credit Framework for Postgraduate Programme (CCFPP), as per N.E.P. 2020

w.e.f. 2026 – 2027

2- year PG Programme

Semester wise and Course wise Distribution of Credit & Marks under CCFPP as per NEP, 2020

SEM	Course Type	Course Code & Level	Name of the Course	Credit	L – T - P	Marks	Marks Dist. Th. – Pr. - IA
I	Major/Core Course	**PG2 - HIND1011 (400-499)**	शोध प्रविधि (Shodh Pravidhi)	6	5 – 1 – 0	75	60 – 0 – 15
	Major/Core Course	**PG2 - HIND1012 (400-499)**	हिंदी निबंध (Hindi Nibandh)	6	5 – 1 – 0	75	60 – 0 – 15
	Major/Core Course	**PG2 - HIND1013 (400-499)**	समकालीन हिंदी कहानी (Samkaaleen Hindi Kahani)	6	5 – 1 – 0	75	60 – 0 – 15
	Major/Core Course	**PG2 – HIND1014 (400-499)**	समकालीन हिंदी उपन्यास (Samkaaleen Hindi Upanyas)	6	5 – 1 – 0	75	60 – 0 – 15
	Minor Course	**PG2 - HIND1021 (300-399)**	प्रयोजनमूलक हिंदी (Prayojanmulak Hindi)	4	3 – 1 – 0	75	60 – 0 – 15
	Total			**28**		**375**	
II	Major/Core Course	**PG2 - HIND2011 (400-499)**	अस्मितामूलक विमर्श (Asmitamulak Vimarsh)	6	5 – 1 – 0	75	60 – 0 – 15
	Major/Core Course	**PG2 - HIND2012 (400-499)**	लोक साहित्य (Lok Sahitya)	4	3 – 1 – 0	75	60 – 0 – 15
	Major/Core Course	**PG2 - HIND2013 (400-499)**	तुलनात्मक साहित्य (Tulnaatmak Sahiya)	4	3 – 1 – 0	75	60 – 0 – 15
	Major/Core Course	**PG2 - HIND2014 (400-499)**	हिंदी पत्रकारिता (Hindi Patrakarita)	4	3 – 1 – 0	75	60 – 0 – 15
	Minor Course	**PG2 - HIND2021 (300-399)**	हिंदी का वैश्विक परिदृश्य (Hindi Ka Vaishwik Paridrishya)	4	3 – 1 – 0	75	60 – 0 – 15
	Total			**22**		**375**	

Semester- I

MAJOR

COURSE CODE: HIND1011

Course Title: शोध प्रविधि (Shoodh Pravidhi)

Course Objective- शोध प्रविधि के अध्ययन से शिक्षार्थी शोध के स्वरूप, प्रक्रिया एवं प्रकार से परिचित होंगे।

CREDIT – 6 **(LECTURE- 5, TUTORIAL -1)** **LH- 90**

Full Marks: 75 (Theory 60, Internal Assessment 15)

इकाई-एक: (15 Hours)

शोध: अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, प्रक्रिया एवं प्रकार, अनुसंधान एवं आलोचना: साम्य और वैषम्य

इकाई-दो:(15 Hours)

शोधार्थी की अहर्ताएं, विषय चयन, शोध परिकल्पना, अध्यायीकरण

इकाई-तीन: (15 Hours)

शोध सर्वेक्षण, तथ्य संग्रह, साक्ष्य का उपयोग, उद्धरण एवं विश्लेषण, शोध आचार संहिता

इकाई-चार:(15 Hours)

शोध संदर्भ, सहायक ग्रंथसूची, नामानुक्रमणिका का निर्माण, शोध प्रबंध के टंकण में अपेक्षित तकनीकी पक्ष

Course Learning Outcome- इससे विद्यार्थी विशिष्ट शोध समस्या चुनने, प्राथमिक और द्वितीयक (secondary source) स्रोतों के उपयोग तथा उनसे परिणाम की व्याख्या में दक्ष होंगे। साथ ही शोधार्थी साहित्यिक और सांख्यिकी चोरी और बौद्धिक संपदा अधिकार के प्रति नैतिक समझदारी विकसित कर सकेंगे। इससे शोधार्थियों में शोध-पत्र या शोध-प्रबंध लिखने का कौशल विकसित होगा।

सहायक ग्रंथः

1.मैनेजर पांडेय. साहित्य और इतिहास दृष्टि, दिल्ली 1981

2.नलिन विलोचन शर्मा. साहित्य और इतिहास दर्शन, पटना 1960

3.नामवर सिंह. इतिहास और आलोचना, दिल्ली 1978

4.सावित्री सिन्हा. अनुसंधान का स्वरूप

5.दुर्गादास काशीनाथ संत. शोध-विज्ञान कोश

6.सावित्री सिन्हा और विजयेन्द्र स्नातक (संपादक). अनुसंधान की प्रक्रिया

7.विजयपाल सिंह. हिंदी अनुसंधान

8.एस. एन. गणेशन. अनुसंधान प्रविधि सिद्धांत

9.डॉ. राममल बोरा. अनुसंधानःप्रविधि और क्षेत्र

10.भ. ह. राजूर कर, डॉ. राजमल बोरा (संपादक). हिंदी अनुसंधान के आयाम

11.C-R- Kothari- Research Methodology, New Age International Publisher

12.W-B- Barbridge- The Art of Scientific Research

13.W- I- B- Beveridge- The Art of Scientific Investigation

14.W- A- Boggley- Facts: How to Find Them

15.T-Hallaway- Introduction to Research

16.Ralph Conhen (Edited)-New Directions in Literary History 1974

17.Rene Walleck - Discrimination 1970] Delhi

MAJOR

COURSE CODE: HIND1012

Course Title: हिंदी निबंध **(Hindi Nibandh)**

Course Objective- हिंदी निबंध के उदभव एवँ विकास के साथ हिंदी के प्रमुख निबधकारों की जानकारी प्राप्त होगी।

CREDIT – 6 **(LECTURE- 5, TUTORIAL -1)** **LH- 90**

Full Marks: 75 (Theory 60, Internal Assessment 15)

इकाई-एक: (15 Hours)

हिंदी निबंध: उद्भव और विकास।

भारतवर्षोन्न्ति कैसे हो सकती है- भारतेंदु हरिश्चंद्र

इकाई-दो: (15 Hours)

1.पीछे मत फेंकिये- बालमुकुंद गुप्त

2.मानस की धर्मभूमि- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

इकाई-तीन: (15 Hours)

1.नाखून क्यों बढते हैं- हजारी प्रसाद द्विवेदी

2.इतिहास का नया दृष्टिकोण– नामवर सिंह

इकाई-चार: (15 Hours)

1.परम्परा का मूल्यांकन- रामविलास शर्मा

2.विकलांग श्रद्धा का दौर- हरिशंकर परसाई।

Course Learning Outcome- हिंदी निबंध के उदभव एवँ विकास के साथ हिंदी के प्रमुख निबधकारों के चिंतन एवं विचार से परिचित हो सकेंगे।

सहायकग्रंथः

1.हिंदी का गद्य साहित्य- डॉ. रामचन्द्र तिवारी

2.हिंदी निबंध के सौ वर्ष- मृत्युंजय उपाध्याय

3.निबंधों की दुनिया- डॉ. रामविलास शर्मा– संपादक -निर्मला जैन

4.हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास– रामस्वरूप चतुर्वेदी

5.आधुनिक हिन्दी गद्य का साहित्य– हरदयाल

6.छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य– विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

MAJOR

COURSE CODE: HIND1013

Course Title: समकालीन हिंदी कहानी (Samkaaleen Hindi Kahani)

Course Objective- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी विविध वर्णी कहानी संसार से परिचित हो सकेंगें।

CREDIT –6 (LECTURE- 5, TUTORIAL -1) LH- 90

Full Marks: 75 (Theory 60, Internal Assessment 15)

इकाई-एक: (15 Hours)

समकालीन हिंदी- कहानी की पृष्ठभूमि, वैशिष्ट्य और संवेदना

काशीनाथ सिंह- अपना रास्ता लो बाबा

इकाई-दो:(15 Hours)

नासिरा शर्मा- संगसार, स्वयंप्रकाश- सूरज कब निकलेगा, ममता कालिया- एक अदद औरत

उदयप्रकाश- पालगोमरा का स्कूटर

इकाई-तीन: (15 Hours)

मृदुला गर्ग- वह मैं ही थी, संजीव- दुनिया की सबसे हसीन औरत, चित्रा मुद्गल- भूख

ओमप्रकाश वाल्मीकि- घुसपैठिये

इकाई-चार:(15 Hours)

वालटर भेंगरा तरुण- अपना अपना युद्ध, मनोज कुमार पाण्डेय- पानी, चंदन पाण्डेय- चोट

कुणाल सिंह- सनातन बाबू का दांपत्य

Course Learning Outcome- समकालीन हिंदी कहानी के पठनोपरांत विध्यार्थी विविध प्रकार की संवेदनाओं, विशेषताओं, सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिदृश्य से अवगत हो सकेंगें ।

सहायक ग्रंथः

1.कथा समय में तीन हमसफर- निर्मला जैन

2.हिंदी कहानी, वक्त की शिनाख्त और सृजन का राग- रोहिणी अग्रवाल

3.स्त्री लेखन: स्वरूप और संकल्प- रोहिणी अग्रवाल

4.हिंदी कहानी: प्रक्रिया और पाठ- सुरेंद्र चौधरी

5.कहानी नयी-कहानी- नामवर सिंह

6.नयी कहानी की भूमिका- कमलेश्वर

7.एक दुनिया समानांतर- सम्पादक- राजेंद्र यादव

8.समकालीन हिंदी कहानी- पुष्पपाल सिंह

9.हिंदी कहानी पहचान और परख- इंद्रनाथ मदान

10.कुछ कहानियाँ कुछ विचार- विश्वनाथ त्रिपाठी

11.हिंदी कहानी: अंतरंग पहचान- रामदरश मिश्र

12.हिंदी कहानी की रचना- प्रक्रिया- परमानंद श्रीवास्तव

13.हिंदी कहानी का विकास- मधुरेश

14.हिंदी कहानी का इतिहास (तीनों भाग)- गोपालराय

15.हिन्दी कहानी स्वरूप और संवेदना- राजेन्द्र यादव

16.अंतिम दशक की हिंदी कहानियाँ संवेदना और शिल्प- नीरज शर्मा

MAJOR

COURSE CODE: HIND1014

Course Title: समकालीन हिंदी उपन्यास (Samkaleen Hindi Upanyaas)

Course Objective- इस पत्र के पठनोपरांत विद्यार्थियों को समकालीन हिंदी उपन्यास की प्रकृति और उसके वैशिष्ट्य का परिचय प्राप्त होगा।

CREDIT – 6 **(LECTURE- 5, TUTORIAL -1)** **LH- 90**

Full Marks: 75 (Theory 60, Internal Assessment 15)

इकाई-एक: (15 Hours)

रेहन पर रग्घू–काशीनाथ सिंह

कोहरे में क़ैद रंग–गोविंद मिश्र

इकाई-दो:(15 Hours)

तर्पण - शिवमूर्ति

निर्वासन–अखिलेश

इकाई-तीन: (15 Hours)

ग्लोबल गाँव के देवता–रणेंद्र

समय सरगम– कृष्णा सोबती

इकाई-चार:(15 Hours)

पारिजात- नासिरा शर्मा

पोस्ट बॉक्स नं 203 नाला सोपारा–चित्रा मुद्गल

Course Learning Outcome- समकालीन हिंदी उपन्यासों के आधार पर भूमंडलीकरण के दौर के समाज और संस्कृति की अवधारणा तथा विशेषताएँ स्पष्ट होंगी।

सहायकग्रंथः

1.आधुनिक कथा साहित्य और मनोविज्ञान : देवराज उपाध्याय

2.अधूरे साक्षात्कार : नेमिचन्द्र जैन

3.हिन्दी उपन्यास : स्थिति और गति : चन्द्रकांत बांदिवडेकर

4.उपन्यास और लोकजीवन : रैल्फ फॉक्स

5.हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश

6.हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय

7.हिन्दी उपन्यासों पर पाश्चात्य प्रभाव : भारतभूषण अग्रवाल

8,हिन्दी उपन्यास : एक नयी दृष्टि : इन्द्रनाथ मदान

9.विवेक के रंग : (संपादक) देवीशंकर अवस्थी

10.कथा-समय: विजयमोहन सिंह

11.हिन्दी उपन्यास: उद्‌भव और विकास: सुरेश सिन्हा

12.निराला के साहित्य में प्रतिरोध के स्वरः विवेक निराला

13.इक्कीसवीं सदी का हिंदी उपन्यासः पुष्पपाल सिंह

14.निराला कृति से साक्षात्कारः नंद किशोर नवल

15.प्रसाद- निराला-अज्ञेयः रामस्वरूप चतुर्वेदी

16.निराला की साहित्य साधना (तीनों भाग): रामविलास शर्मा

17.उपन्यास का काव्यशास्त्रः बच्चन सिंह

18.निराला के सृजन सीमांतः अर्चना वर्मा

19.हिन्दी उपन्यास स्वरूप और संवेदना: राजेन्द्र यादव

MINOR

COURSE CODE: HIND1021

Course Title: प्रयोजनमूलक हिंदी (Prayojanmulak Hindi)

Course Objective- प्रयोजन्मूलक हिंदी के प्रयोग क्षेत्र, राजभाषा अधिनियम तथा अनुवाद की जानकारी प्राप्त होगी।

CREDIT – 4 **(LECTURE- 3, TUTORIAL -1)** **LH- 60**

Full Marks: 75 (Theory 60, Internal Assessment 15)

इकाई-एक: (15 Hours)

प्रयुक्तियाँ एवं प्रयोग क्षेत्र:

1.प्रयुक्ति, भाषा प्रयुक्ति के प्रकार- साहित्यिक प्रयुक्ति, वाणिज्यिक प्रयुक्ति, कार्यालयी प्रयुक्ति, राजभाषा प्रयुक्ति, वैज्ञानिक, तकनीकी एवं कानूनी प्रयुक्ति।

2.प्रदेश- राजभाषा अधिनियम1963 एवं नियम 1976

3.राजभाषा, राष्ट्रभाषा एवं सम्पर्क भाषा।

इकाई-दो: (15 Hours)

अनुवाद एवं प्रयोजनमूलक हिंदी:

1.कार्यालयी अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद,

2.पारिभाषिक शब्दावली।

इकाई-तीन: (15 Hours)

सरकारी पत्राचार एवं उसके विविध रूप:-

1.सरकारी पत्र, अर्धसरकारी पत्र, ज्ञापन, अधिसूचना, निविदा।

2.टिप्पण, मसौदा, प्रतिवेदन।

इकाई-चार: (15 Hours)

1.जनसंचार माध्यम: अवधारणा और परिभाषा, जनसंचार की भूमिका, जनसंचार माध्यमों में हिंदी की उपयोगिता और चुनौतियां।

2.संचार के आधुनिक माध्यम:- प्रिंट माध्यम, दृश्य माध्यम, श्रव्य माध्यम, मिश्रित माध्यम।

Course Learning Outcome- हिंदी के विविध प्रयोजनमूलक स्वरूपों का प्रयोग करने में सक्षम होंगे।

सहायक ग्रंथः

1.प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका- कैलाशनाथ पाण्डेय

2.प्रयोजनमूलक हिंदी: प्रक्रिया और स्वरुप- डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया

3.प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत और प्रयोग- दंगल झाल्टे

4.प्रयोजनमूलक हिंदी- विनोद गोदरे

5.आधुनिक पत्रकारिता- डॉ. अर्जुन तिवारी

Semester- II

MAJOR

COURSE CODE: HIND2011

Course Title: अस्मितामूलक विमर्श (Asmitamulak Vimarsh)

Course Objective- अस्मितामूलक विमर्श के स्वरूप और प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे।

CREDIT – 6 **(LECTURE- 5, TUTORIAL -1)** **LH- 90**

Full Marks: 75 (Theory 60, Internal Assessment 15)

इकाई-एक: (15 Hours)

अस्मिता: अवधारणा, स्वरूप और प्रवृत्तियाँ।

इकाई-दो:(15 Hours)

इतिहास और अस्मिता, अस्मिता और सत्ता, धर्म और अस्मिता

इकाई-तीन: (15 Hours)

व्यक्ति-अस्मिता और सामूहिक अस्मिता, हाशिए की अस्मिता और अल्पसंख्यक अस्मिता।

इकाई-चार:(15 Hours)

स्त्री-अस्मिता, दलित अस्मिता, आदिवासी अस्मिता और साहित्य।

Course Learning Outcome- अस्मितामूलक विमर्श के स्वरूप और प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे। अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी प्रात होगी।

सहायक ग्रंथः

1.हिंदी कहानी: अस्मिता की तलाश- मधुरेश

2.आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी- डॉ. रमणिका गुप्ता

3.अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य- सं. रजत रानी मीनू

4.आदिवासी साहित्य परंपरा और प्रयोजन- सं. वंदना टेटे

5.हिंदी साहित्य और अस्मितामूलक विमर्श- किरण तिवारी

6.दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र- ओमप्रकाश वाल्मीकि

7.दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र- शरणकुमार लिंबाले

8.आदिवासी अस्मिता का संकट-रमणिका गुप्ता

9.दलित आंदोलन का इतिहास- मोहनदास नैमिशराय

10.उपनिवेश में स्त्री- प्रभा खेतान

11.नारीवादी राजनीति- जिनी निवेदिता

12.स्त्री उपेक्षिता- सिमोन द बोउवार

MAJOR

COURSE CODE: HIND 2012

Course Title: लोक साहित्य (Lok Sahitya)

Course Objective- लोक साहित्य की अवधारणा एवँ स्वरूप के साथ ही साथ लोक संस्कृति और लोक साहित्य के अंत: सम्बंध से परिचित होंगे।

CREDIT - 4 (LECTURE- 3, TUTORIAL -1) LH- 60

Full Marks: 75 (Theory 60, Internal Assessment 15)

इकाई-एक: (15 Hours)

लोक साहित्य की अवधारणा और स्वरूप, लोक साहित्य और लोक संस्कृति का अंतःसंबंध।

इकाई-दो: (15 Hours)

लोक साहित्य के विविध रूप:- लोक गीत, लोक कथा, लोक गाथा, लोक-नाट्य, तमाशा, नौटंकी, रामलीला।

इकाई-तीन: (15 Hours)

हिन्दी लोक साहित्य:- अवध- सोहर, भोजपुरी- संस्कार- गीत।

ऋतु-गीत - होली, कजरी, बारहमासा

इकाई-चार: (15 Hours)

लोक नाट्य - बिदेसिया– भिखारी ठाकुर

Course Learning Outcome- लोक साहित्य के अध्ययन के उपरांत लोक संस्कृति, लोक साहित्य, लोक जीवन से लगाव उत्पन्न हो सकता है।

सहायक ग्रंथः

1.हिंदी प्रदेश के गीत- कृष्णदेव उपाध्याय

2.भारती लोक साहित्य: परम्परा और परिदृश्य– विद्या सिम्हा

3.लोक साहित्य विज्ञान- डॉ. सत्येन्द्र

4.हिंदी साहित्य का बृहद इतिहास- सं०- राहुल सांकृत्यायन

5.लोक साहित्य विमर्श- डॉ. स्वर्ण लता

MAJOR

COURSE CODE: HIND2013

Course Title: तुलनात्मक साहित्य (Tulnaatmak Sahitya)

Course Objective: तुलनात्मक साहित्य के परिचय एवं प्रस्थान सहित उसके मूलाधार की जानकारी हासिल कर सकेंगे। प्राच्य- पाश्चात्य विशेषज्ञों की मान्यतासहित तुलनात्मक साहित्य के महत्त्व को जान पाएँगे। राष्ट्रीय- अन्तरराष्ट्रीय सम्बन्धों की समझ बनाने में तुलनात्मक साहित्य के अवदान की जानकारी ले पाएँगे।

CREDIT - 4 **(LECTURE- 3, TUTORIAL -1)** **LH- 60**

Full Marks: 75 (Theory 60, Internal Assessment 15)

इकाई-एक: (15 Hours)

तुलनात्मक साहित्य- परिभाषा, विभिन्न अवधारणाएँ और महत्त्व, तुलनात्मक साहित्य की उपयोगिता और संभावनाएँ, विश्व साहित्य की अवधारणा, राष्ट्रीय साहित्य, भारतीय साहित्य की समस्याएँ।

इकाई-दो: (15 Hours)

हिंदी के जातीय साहित्य के विकास की ऐतिहासिक प्रक्रिया और समस्याएँ। तुलनात्मक साहित्य का भारतीय परिदृश्य- उपलब्धियाँ और संभावनाएँ। हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई-तीन: (15 Hours)

व्यवहारिक पक्ष- प्रेमचंद और फकीर मोहन सेनापति, निराला और काजी नजरूल इस्लाम

इकाई-चार: (15 Hours)

व्यवहारिक पक्ष- जयशंकर प्रसाद और द्विजेन्द्रलाल राय, सुमित्रानंदन पंत और वर्ड्सवर्थ

Course Learning Outcome- तुलनात्मक साहित्य के जरिए हम न केवल भिन्न-भिन्न भाषा, साहित्य, जनपद की संस्कृति से परिचित होते हैं बल्कि इस रास्ते हम अपनी चेतना को भव्य और राजनयिक सम्बन्धों को अनुरागमय बनाने के सूत्र भी तलाश सकते हैं।

सहायक ग्रंथः

1. भारतीय साहित्य की भूमिका- रामविलास शर्मा
2. भारतीय साहित्य की समस्याएँ- राजेन्द्रनाथ शर्मा
3. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका- इंद्रनाथ चौधरी
4. तुलनात्मक अध्ययनः स्वरूप और समस्याएँ- राजमल बोरा (संपादक)
5. तुलनात्मक अध्ययनः भारतीय भाषाएँ और साहित्य- राजमल बोरा (संपादक)

6.तुलनात्मक साहित्य- डॉ. नीरज शर्मा

7.Linford Henry-Comparative Literature

8.Rene Etiemble- The Crisis in Comparative LiteraturePublished by Michigan University Press,1966

9.Henry Remak- Comparative Literature: Method and Perspective 1966

10.S-S- Prawer - Comparative Literary Studies, London 1973

11.Amiya Dev- Comparative Indian Literature, Amritsar,1981

12.S- K- Das- The Idea of an Indian Literature,Vagarth&Vol-1, 1973

13.Nagendra (Editor)- Indian Literature, Agra,1954

14.Nagendra- Comparative Literature, Delhi&1977

MAJOR

COURSE CODE: HIND 2014

Course Title: हिंदी पत्रकारिता (Hindi Patrakarita)

Course Objective- पत्रकारिता के अर्थ और स्वरूपतथा महत्त्व एवंप्रकार का तथा नवजागरणकालीन हिंदी पत्रकारिता की प्रवृत्तियों का परिचय प्राप्त होगा।

CREDIT - 4 **(LECTURE- 3, TUTORIAL -1)** **LH- 60**

Full Marks: 75 (Theory 60, Internal Assessment 15)

इकाई-एक: (15 Hours)

पत्रकारिता: अर्थ और स्वरूप, महत्त्व एवं प्रकार।

इकाई-दो:(15 Hours)

नवजागरणकाल:- प्रमुख पत्र-पत्रिका और प्रवृत्तियाँ।

इकाई-तीन: (15 Hours)

रेडियो, दूरदर्शन, अखबार, इंटरनेट।

इकाई-चार:(15 Hours)

इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया का वैशिष्ट्य

Course Learning Outcome- पत्रकारिता के अर्थ और स्वरूप, महत्त्व एवंप्रकार का तथा नवजागरणकालीन हिंदी पत्रकारिता की प्रवृतियों का परिचय प्राप्त होगा।

सहायकग्रंथः

1.पत्रकारिता के विविध आयाम- रामचंद्र तिवारी

2.हिंदी पत्रकारिता: स्वरूप और संदर्भ- विनोद गोदरे

3.उत्तर आधुनिकता मीडिया विमर्श- सुधीश पचौरी

4.पत्रकारिता सिद्धांत और कला- विश्वनाथ सिंह

5.राष्ट्रीय नवजागरण हिंदी पत्रकारिता- मीरा रानी बल

6.पत्रकारिता सिद्धांत और कला- विश्वनाथ सिंह

7.पत्रकारिता संदर्भ कोश- सूर्यप्रकाश दीक्षित

8.पत्रकारिता के विविध आयाम- रामचन्द्र तिवारी

9.मीडिया लेखन कला- सूर्यप्रकाश दीक्षित

10.आधुनिक पत्रकार कला- विष्णु दत्त शुक्ल

11.हिन्दी पत्रकारिता: विविध आयाम- वेद प्रताप वैदिक

12.हिन्दी पत्रकारिता: विकास और विविध आयाम- सुशीला जोशी

13.हिन्दी पत्रकारिता: स्वरूप और संदर्भ- विनोद गोदरे

14.राष्ट्रीय नवजागरण हिन्दी पत्रकारिता- मीरा रानी बल

15.समाचार फीचर लेखन और संपादन कला- डॉ. हरिमोहन

16.संस्कृति विकास और संचार क्रांति- पूरनचंद्र जोशी

17.संपादन के सिद्धांत- रामचन्द्र तिवारी

18.समाचार संकलन और लेखन- नंदकिशोर त्रिखा

19.हिन्दी के यशस्वी पत्रकार- क्षेमचन्द्र सुमन

20.संचार क्रांति की राजनीति और विचारधारा- सुभाष धूलिया

21.मीडिया समग्र- जगदीश्वर चतुर्वेदी

MINOR

COURSE CODE: HIND 2021

Course Title: हिंदी का वैश्विक परिदृश्य (Hindi Ka Vaishwik Paridrishya)

Course Objective- छात्र हिंदी के वैश्विक परिदृश्य और विश्वभाषाओं के संदर्भ में हिंदी की स्थिति से परिचित हो सकेंगे।वैश्वीकरण के दौर में वे हिंदी भाषा से जुड़ी चुनौतियों और संभावनाओं को समझ सकेंगे।

CREDIT - 4 **(LECTURE- 3, TUTORIAL -1)** **LH- 60**

Full Marks: 75 (Theory 60, Internal Assessment 15)

इकाई-एक: (15 Hours)

1. वैश्वीकरण, हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति का सामान्य परिचय, प्रवासी हिंदी साहित्य

2. हिंदी के प्रचार-प्रसार में विभिन्न संस्थाओं की भूमिका।

इकाई-दो:(15 Hours)

1. हिंदी भाषा का विश्वसंदर्भ-, भारत से बाहर रहनेवाले हिंदी के प्रमुख रचनाकार

2. विदेशों से निकलने वाली हिंदी की प्रमुख पत्रिकाएँ

इकाई-तीन: (15 Hours)

1. हिंदी के वैश्विक प्रसार में हिंदी सिनेमा, हिंदी गीतों और हिंदी साहित्य की भूमिका।

2. हिंदी के वैश्विक प्रसार में हिंदी टेलीविजन और रेडियो कार्यक्रमों का प्रसारण एवं उनका योगदान, सोशल नेटवर्किंग साइट्स, हिंदी ब्लॉग्स, ईपत्रिकाएँ।-

इकाई-चार:(15 Hours)

1.विश्व हिंदी सम्मेलन, परिकल्पना, इतिहास, महत्व, उद्देश्य, उपलब्धियाँ।

2. 21वीं सदी में हिंदी की वैश्विक चुनौतियाँ।

Course Learning Outcome- छात्र हिंदी के वैश्विक परिदृश्य और विश्वभाषाओं के संदर्भ में हिंदी की स्थिति से परिचित हो सकेंगे। वैश्वीकरण के दौर में वे हिंदी भाषा से जुड़ी चुनौतियों और संभावनाओं को समझ सकेंगे।

सहायक ग्रंथः

1.प्रवासी हिन्दी साहित्य– कमल किशोर गोएनका

2.मॉरीशस का हिन्दी साहित्य– वीर सिंह, जागा सिंह

3.मॉरीशस का हिन्दी साहित्य- मुनीश्वर चिंतामणि

4.सूरीनाम का सृजनात्मक हिन्दी साहित्य– विमलेश कांति वर्मा

5.फीजी में हिन्दी: स्वरूप और विकास- विमलेश, कान्ति वर्मा, धीरा वर्मा

6.भारत का भूमंडलीकरण- अभय कुमार दूबे